Content

अनुक्रमणिका

1. प्रथम अध्याय –

भूमिका
प्रस्ताविक
दलित शब्द का अर्थ
दलित साहित्य अर्थात् क्या?
दलित साहित्य का प्रयोजन क्या है ?
हिन्दी और गुजराती दलित साहित्य का उद्‌भव और विकास
दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
निष्कर्ष
सन्दर्भानुक्रम।

2. द्वितीय अध्याय –

हिन्दी दलित कहानियों में नारी–संवेदना का अध्ययन
प्रस्ताविक
दलित शिक्षित महिलाएँ
दलित अशिक्षित महिलाएँ
दलित कामकाजी महिलाओं का शोषण
पारिवारिक शोषण का शिकार हुई महिलाएँ
आर्थिक स्वतंत्रता की चाह
परिवार में पति की भूमिका
परिवार में पिता की भूमिका
दलित महिलाओं का विद्रोह
निष्कर्ष
संदर्भानुक्रम।

3. तृतीय अध्याय –

गुजराती दलित कहानियों में नारी–संवेदना का अध्ययन
प्रस्ताविक
दलित स्त्री का जातीय शोषण
सवर्णों की स्वार्थ–
परता का शिकार दलित महिलाएँ
परंपरा के प्रति विद्रोह
शोषण के प्रति दलित स्त्री का विद्रोह
दलित महिलाओं का पारिवारिक शोषण
दलित महिलाओं की आर्थिक समस्याएँ
निष्कर्ष
संदर्भानुक्रम ।

4. चतुर्थ अध्याय – हिन्दी और गुजराती दलित कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रस्ताविक
समस्याओं की साम्यता और विषमता
परिवेश
निष्कर्ष
संदर्भानुक्रम।

5. पंचम अध्याय – विशेष नारी पात्रः
प्रस्ताविक
लगभग 20 विशिष्ट नारी चरित्रों का विश्लेषण
निष्कर्ष
संदर्भानुक्रम।

6. षष्ठ अध्याय – उपसंहार
समग्रावलोकन पर आधारित कतिपय निष्कर्ष

सन्दर्भिका –

1. **परिशिष्ट** – मूल आधार ग्रंथों की सूची हिन्दी–गुजराती
2. **परिशिष्ट** – समीक्षात्मक सहायक ग्रंथों की सूची हिन्दी–गुजराती
3. **परिशिष्ट** – कोश ग्रंथों की सूची
4. **परिशिष्ट** – पत्र–पत्रिकाएँ : हिन्दी, गुजराती